दैनिक भारत कि
तामीर
संपादक - काझी मकदूम शफीउद्दीन hinditameer@gmail.com
Editor in chief- Qazi makhdoom shafiuddin

माजलगांव शहर पुलिस की कार्रवाई, जुआ अड्डे पर छापा–आठ आरोपी गिरफ्तार

माजलगांव, १९ जून । प्रतिनिधि

माजलगांव शहर पुलिस ने गौतमनगर इलाके में एक गुप्त सूचना के आधार पर अवैध रूप से चल रहे जुए के अड्डे पर छापा मारते हुए आठ व्यक्तियों को रंगे हाथों गिरफ्तार किया। यह कार्रवाई मंगलवार, १८ जून की रात करीब ८:४० बजे की गई।

छापेमारी के दौरान बरामद हुआ सामान

पुलिस ने मौके से रमी जुए का सामान, नकद राशि तथा मोबाइल फोन जब्त किए हैं। कुल जब्ती की राशि ५०,८१० बताई गई है। गिरफ्तार आरोपियों के खिलाफ प्रकरण क्रमांक २२३/२०२५ के तहत महाराष्ट्र जुगार प्रतिबंधक अधिनियम की धारा १२ (अ) के अंतर्गत मामला दर्ज किया गया है।

इस दौरान पुलिस निरीक्षक राहुल सूर्यतळ, उपनिरीक्षक संदीप राठौड़, पोलीस शिपाई गवळी और मिरकले आदि पुलिस कर्मी उपस्थित थे।

माजलगांव शहर में चल रहे अवैध जुए के कारोबार पर पुलिस ने त्वरित और प्रभावी कार्रवाई कर आठ लोगों को हिरासत में लेते हुए लाखों का सामान जब्त किया है। इस कार्रवाई से स्थानीय स्तर पर अवैध गतिविधियों पर अंकुश लगाने का प्रयास स्पष्ट रूप से दिखाई देता है।

बीड (महाराष्ट्र) वर्ष-१ ला अंक-३२० वा शनिवार २१ जून २०२५ RNI TITLE CODE:MAHHIN11405/120/1/3/2024 किमत : २ रूपये पन्ने - ४

देश में बनेंगी २ लाख नई कृषि ऋण समितियाँ-अमित शाह

'सहकार से समृद्धि' कार्यक्रम में केंद्रीय मंत्री ने दी जानकारी

रिपोर्ट : जमीर काज़ी, मुंबई, २० जून

केंद्रीय सहकार मंत्री अमित शाह ने बताया कि केंद्र सरकार ग्रामीण इलाकों को मजबूत बनाने के लिए देशभर में २ लाख नई प्राथमिक कृषि ऋण समितियाँ (PACS) शुरू करने जा रही है। हर गाँव में सहकारी संस्थाओं की जानकारी एक जगह इकट्ठा की गई है और इसे डिजिटल रूप में तैयार किया गया है।

मुंबई के होटल फेअरमोंट में आयोजित सहकार से समृद्धि' राष्ट्रीय कार्यक्रम में उन्होंने यह जानकारी दी। इस मौके पर मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस, उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे, कृषि मंत्री माणिकराव कोकाटे, और अन्य मंत्री व अधिकारी मौजूद थे।

अमित शाह ने कहा कि अब इन समितियों को सिर्फ खेती तक सीमित न रखकर २२ नई सेवाओं से जोड़ा जाएगा। इनमें जनऔषधि केंद्र, गैस एजेंसी, पेट्रोल पंप, रेलवे टिकट सेवा, टैक्सी सेवा जैसी सुविधाएँ होंगी।

उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश में पहली बार एक अलग सहकार मंत्रालय बनाया है ताकि किसानों और ग्रामीण लोगों को ज्यादा से ज्यादा लाभ मिल सके।

टैक्सी चालक होंगे मालिक

नई योजना के तहत नेशनल टैक्सी नाम से एक सहकारी योजना लाई जाएगी, जिसमें टैक्सी चलाने वाले लोग खुद वाहन के मालिक होंगे और उन्हें होने वाला मुनाफा सीधे उनके बैंक खातों में जाएगा।

ग्रामीण लोगों को मिलेगा फायदा – मुख्यमंत्री फडणवीस

मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि महाराष्ट्र में झ-उड और ऋझज (किसान उत्पादक संगठन) की मदद से ग्रामीण लोगों को रोजगार के नए मौके मिल रहे हैं और किसानों को बाजार से सीधा संपर्क हो रहा है। केंद्र सरकार के लक्ष्य को महाराष्ट्र ने अच्छे तरीके से पूरा किया है।

यह कार्यक्रम देश की गाँवों की अर्थव्यवस्था को मजबूत करने की दिशा में एक बड़ा कदम है और इससे महिलाओं और युवाओं को भी रोजगार मिलेगा।

बीड़ शहर और ग्रामीण क्षेत्रों को मिलेगी स्थायी राहत, ३३ केवी की नई लाइन के कार्य का शुभारंभ

बीड़, २० जून । प्रतिनिधि

बीड़ शहर और ग्रामीण इलाकों में लंबे समय से बिजली आपूर्ति में बाधाएं आ रही थीं, जिसका मुख्य कारण १३२ केवी केंद्र पर अत्यधिक भार होना था। अब इस समस्या से स्थायी समाधान के लिए आमदार संदीप क्षीरसागर की पहल पर ३३ केवी की १२ किलोमीटर लंबी नई विद्युत लाइन के कार्य का शुक्रवार (२० जून) को विधिवत शुभारंभ किया गया।

बिजली खपत और पुरानी लाइन की सीमाएं

वर्तमान में बीड़ शहर और पेंडगाव, नामलगाव, कुक्कडगांव व ईट जैसे ग्रामीण क्षेत्रों में १३२ केवी लाइन से बिजली आपूर्ति की जा रही थी। लेकिन इस लाइन पर अत्यधिक भार होने के कारण अक्सर बिजली आपूर्ति बाधित होती थी, जिससे नागरिकों को भारी असुविधा का सामना करना पड़ रहा था।

समाधान के रूप में नया विद्युत विभाजन

आमदार संदीप क्षीरसागर और पूर्व विधायक सैय्यद सलीम के प्रयासों से अब २२० केवी और १३२ केवी लाइन पर भार का विभाजन किया जाएगा। इसके तहत पेंडगाव, नामलगाव, कुक्कडगांव और ईट के पाणीपुरवठा (जल आपूर्ति) सबस्टेशन को १३२ केवी से हटाकर २२० केवी लाइन पर जोड़ा जाएगा।

३३ केवी की नई लाइन की आवश्यकता २२० केवी केंद्र से जुड़ने के लिए इन सबस्टेशनों को एक नई ३३ केवी लाइन की आवश्यकता थी। इस उद्देश्य के लिए ३३ केवी की लाइन को मंजूरी दी गई है, जिसकी लंबाई १२ किलोमीटर होगी और इसमें १५० पोल लगाए जाएंगे। इस कार्य का शुभारंभ स्वयं आ. संदीप क्षीरसागर ने किया, और मौके पर ही काम की व्यवहारिक शुरुआत भी कर दी गई। इस अवसर पर पूर्व विधायक सय्यद सलीम, महावितरण विभाग के अधिकारी और अनेक नागरिक मौजूद थे।

आगे की योजना

अब बीड़ शहर के माळीवेस, एमआयडीसी, जालना रोड, पांगरी रोड जैसे शहरी इलाकों में स्थित सबस्टेशन १३२ केवी लाइन पर ही रहेंगे, जबकि पेंडगाव, नामलगाव, कुक्कडगांव और ईट के ग्रामीण सबस्टेशन २२० केवी लाइन से जोड़े जाएंगे। इससे दोनों क्षेत्रों में बिजली आपूर्ति का भार संतुलित होगा और लगातार बिजली कटौती की समस्या से स्थायी राहत मिलेगी।

बीड़ शहर और ग्रामीण क्षेत्रों में बिजली संकट के स्थायी समाधान की दिशा में यह ३३ केवी की नई लाइन एक बड़ा कदम है। इससे भविष्य में नियमित और निर्बाध बिजली आपूर्ति सुनिश्चित होगी, जिससे नागरिकों को राहत और उद्योगों को बढ़ावा मिलेगा।

बिहार से आए श्रमिक परिवार के बच्चों को मिली शिक्षा की नई राह

जिलाधिकारी बीड और गटशिक्षणाधिकारी समंदर खान की प्रेरणादायी पहल

बीड, २० जून – संवाददाता

बिहार से अपने परिवार के साथ बीड जिले में आए एक श्रमिक परिवार के बच्चों को अब शिक्षा से जुड़ने का अवसर प्राप्त हुआ है। यह प्रेरणादायी कार्य बीड जिल्हाधिकारी कार्यालय में कार्यरत निर्माण मजदूर परिवार के बच्चों को शिक्षा की मुख्यधारा से जोड़ने हेतु किया गया है।

इस पहल में गटशिक्षणाधिकारी श्री समंदर हमीद खान की महत्वपूर्ण भूमिका रही। उन्होंने इस परिवार की स्थिति पर ध्यान देते हुए माननीय जिलाधिकारी महोदय तक बात पहुँचाई। तत्पश्चात, माननीय जिल्हाधिकारी बीड ने मानवीय दृष्टिकोण अपनाते हुए इस परिवार के तीनों बच्चों को जिल्हा परिषद शाळा, पोलीस कॉलनी, बीड में औपचारिक रूप से दाखिला दिलवाया।

इस अवसर पर माननीय जिल्हाधिकारी महोदय ने अपने

करकमलों से बच्चों को शालेय साहित्य का वितरण किया और बच्चों एवं उनके माता-पिता से आत्मीय संवाद भी किया। उन्होंने बच्चों को नियमित रूप से स्कूल आने और पढ़ाई में मन लगाने की प्रेरणा दी, साथ ही पालकों को भी बच्चों को नियमित स्कूल भेजने की महत्त्वपूर्ण सलाह दी।

दाखिला प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों के नाम इस प्रकार हैं:

शेख नाजली बेगम महंमद नौशाद – इयत्ता ३री

शेख शहाजान – इयत्ता २री

शेख खुशनुरी – इयत्ता १ली

गटशिक्षणाधिकारी श्री समंदर हमीद खान की यह संवेदनशील और शिक्षाप्रेमी पहल न केवल समाज में एक सकारात्मक संदेश देती है, बल्कि यह बताती है कि यदि प्रशासनिक अधिकारियों में संवेदनशीलता और जिम्मेदारी का भाव हो, तो कोई भी बच्चा शिक्षा से वंचित नहीं रह सकता।

यह एक आदर्श उदाहरण है कि शिक्षा का प्रकाश हर कोने तक पहुँच सकता है – बस जरूरत है समर्पित प्रयासों और संवेदनशील नेतृत्व की।

जिला परिषद के शिक्षक इमरान खान का इंतेकाल

बीड़ (प्रतिनिधि) – यहां के सागर ट्रॅव्हल्स के मालिक इकराम खान और बालरोग तज्ञ डॉ.इलियास खान के भाई इमरान खान वलद समद खान पहेलवान (मरहूम)का आज सुबह ५ बजे निधन हो गया। गेवराई तालुका के आहर वाहेगांव स्थित जिला परिषद स्कूल में वे सह-शिक्षक के रूप में कार्यरत थे। उनके निधन से सभी लोग शोकाकुल हैं।

बीड़ निवासी इमरान खान, अब्दुल समद खान के पुत्र, पिछले कुछ महीनों से बीमार थे। आज सुबह ५ बजे उन्होंने अंतिम सांस ली। उनकी नमाज जनाज़ा बाद नमाज जुमा क़िला मैदान पर अदा कि गई और हतीखाना क्षेत्र के शाह शमशोद्दीन कब्रिस्तान में तदफीन अमल मे आइ ।

उनके पश्चात माता, पत्नी, एक बेटा, तीन भाई, दो बहनें ऐसा परिवार है। खान परिवार के इस दुखद क्षण में दैनिक तामीर परिवार सहभागी है।

भालदरपुरा की मिलिया प्राथमिक शाला में छात्राओं का शानदार स्वागत, प्रवेश उत्सव धूमधाम से संपन्न

बीड जून २०२५

आज दिनांक १६ जून २०२५ को भालदरपुरा स्थित मिलिया प्राथमिक शाला (बालिका) में नए शैक्षणिक सत्र के पहले दिन छात्राओं का स्वागत बड़ी धूमधाम और उत्साह के साथ किया गया। जिल्हाधिकारी, प्राथमिक शिक्षा अधिकारी, गट शिक्षण अधिकारी समंदर खान साहेब, केंद्रप्रमुख हकीम मनीयार साहेब और प्रशिक्षण प्रमुख मोमीन इसहाक साहेब के आदेशानुसार इस प्रवेश उत्सव का आयोजन किया गया।

इस अवसर पर शाला की सेक्रेटरी खान सबीया बाजी, मुख्याध्यापिका मिर्जा कनिज

फातेमा, इन्चार्ज रिजवाना बेगम कादरी और अली सर की अगुवाई में छात्राओं के स्वागत के लिए विशेष कार्यक्रम रखा गया।

प्रवेश उत्सव में शिक्षक फैसल सर एवं शिक्षिकाएं सबीया खतीब, हाजरा बाजी, सहेर बाजी, मसरत सुलताना अन्सारी बाजी, सना बाजी, नीशात बाजी, शाजिया खान बाजी, तसलीम बाजी, अरशिया बाजी, सबा फातेमा बाजी और सबा अंजुम बाजी ने विशेष योगदान दिया। सभी ने मिलकर छात्राओं के स्वागत को अविस्मरणीय बनाने का प्रयास किया।

इस आयोजन ने छात्राओं में नया उत्साह और ऊर्जा भर दी, जिससे शिक्षा के प्रति उनमें रुचि और आत्मविश्वास बढ़ेगा।

ईरानी उप-राजदूत ने भारत से की इज़रायल की खुलेआम निंदा करने की अपील

नई दिल्ली, २० जून । रिपोर्ट: आरके न्यूज़

भारत में ईरान के उप-राजदूत मोहम्मद जवाद हुसैनी ने इज़रायल के खिलाफ कड़ा रुख अपनाते हुए भारत से अपील की है कि वह इज़रायल की खुले तौर पर निंदा करे और उस पर दबाव बनाए। उन्होंने कहा कि भारत एक बड़ा और शांति समर्थक देश है और उसे वैश्विक दक्षिण की आवाज़ के रूप में इस संघर्ष में नेतृत्व करना चाहिए।

नई दिल्ली में ईरानी दूतावास में आयोजित संवाद के दौरान हुसैनी ने यह भी स्पष्ट किया कि तेहरान को भारत से कोई नाराजगी नहीं है, बल्कि ईरान भारत के साथ भविष्य में सहयोग की उम्मीद करता है।

ईरान और इज़रायल के बीच चल रहे तनाव पर बोलते हुए हुसैनी ने पाकिस्तान को लेकर भी उम्मीद जताई कि वह ईरान का साथ देगा और किसी तीसरे पक्ष को युद्ध में शामिल नहीं होना चाहिए। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि कोई तीसरा देश इस संघर्ष में शामिल होता है तो इसके गंभीर परिणाम होंगे।

हुसैनी ने यह भी कहा कि ईरान के पास कुछ अघोषित क्षमताएँ हैं जो भविष्य के लिए सुरक्षित रखी गई हैं। साथ ही, उन्होंने ख-ए- की निष्पक्षता पर सवाल उठाया और कहा कि एजेंसी ने खुद यह स्वीकार किया है कि ईरान की ओर से कोई सैन्य परमाणु गतिविधि नहीं चल रही, फिर भी इज़रायल का पक्ष लिया जा रहा है।

पाकिस्तान सेना प्रमुख की डोनाल्ड ट्रंप से हुई मुलाकात पर पूछे गए सवाल के जवाब में हुसैनी ने उम्मीद जताई कि पाकिस्तान अमेरिका की जमीन का उपयोग नहीं करने देगा और ईरान का समर्थन करेगा।

ईरानी उप-राजदूत का यह बयान ऐसे समय आया है जब पश्चिम एशिया में हालात तनावपूर्ण हैं और अंतरराष्ट्रीय समुदाय की भूमिका पर लगातार बहस हो रही है।

डॉ. योगेश क्षीरसागर बने नवगण और विनायक शिक्षण संस्था के नए सचिव

स्व. केशरकाकू की शैक्षणिक विरासत अब नई पीढ़ी के हाथों में

उच्च शिक्षित नेतृत्व के अधीन शैक्षणिक संस्थानों की बागडोर

बीड, २० जून (प्रतिनिधि):
शिक्षा क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान देने वाली बीड स्थित नवगण शिक्षण संस्था और विनायक युवक कल्याण संस्था के सचिव पद पर डॉ. योगेश भारतभूषण क्षीरसागर की नियुक्ति गुरुवार, १९ जून को की गई है। एक उच्च शिक्षित और दूरदर्शी व्यक्तित्व को इस पद पर नियुक्त कर संस्थाओं की दिशा और दशा को नए आयाम मिलने की आशा व्यक्त की जा रही है। उनकी नियुक्ति पर जिलेभर से शुभकामनाएं और बधाइयों का सिलसिला जारी है।

नवगण शिक्षण संस्था की स्थापना १९६३ में पूर्व सांसद और जननेत्री स्व. केशरकाकू सोनाजीराव क्षीरसागर ने की थी। उस दौर में बीड जिले के ग्रामीण और दुर्गम इलाकों में शिक्षा की भारी कमी थी। इस आवश्यकता को समझते हुए केशरकाकू ने किसानों, गन्ना मजदूरों, गरीब और वंचित वर्ग के बच्चों के लिए स्कूलों और कॉलेजों की श्रृंखला शुरू की। उनके अथक प्रयासों से शुरू किया गया यह शैक्षणिक बीज आज वटवृक्ष बन चुका है।

संस्था के सचिव पद पर ३१ दिसंबर १९६५ को पहली बार भागुजीराव सनगर, १९६८ में स्व. केशरकाकू क्षीरसागर, १९७७ में सोनाजीराव क्षीरसागर, १९८७ में डॉ. भारतभूषण क्षीरसागर और अब २०२५ में डॉ. योगेश क्षीरसागर की नियुक्ति हुई है।

वर्तमान में नवगण शिक्षण संस्था के अंतर्गत बीड जिले में विभिन्न क्षेत्रों में कार्यरत शिक्षण संस्थानों में ५ कला, वाणिज्य और विज्ञान महाविद्यालय, एक शारीरिक शिक्षा महाविद्यालय, एक फार्मेसी कॉलेज, सैनिक विद्यालय, आश्रमशाला, उर्दू स्कूल, ६ उच्च माध्यमिक विद्यालय, १० माध्यमिक विद्यालय, २ प्राथमिक विद्यालय और २ व्यवसायिक प्रशिक्षण केंद्र शामिल हैं। इन संस्थाओं में लगभग ६०० शिक्षक और शिक्षकेत्तर कर्मचारी सेवाएं दे रहे हैं, और करीब २५,००० विद्यार्थी प्रतिवर्ष शिक्षा ग्रहण करते हैं।

इसके अतिरिक्त, १९८४ में स्थापित विनायक युवक कल्याण संस्था के अंतर्गत ३ माध्यमिक और २ प्राथमिक विद्यालय संचालित होते हैं, जिनमें लगभग ५० कर्मचारी कार्यरत हैं और करीब १,००० विद्यार्थी शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं।

डॉ. भारतभूषण क्षीरसागर ने अब तक इन संस्थाओं के सचिव पद की जिम्मेदारी प्रभावशाली ढंग से निभाई है। अब डॉ. योगेश क्षीरसागर के रूप में एक युवा, ऊर्जावान और आधुनिक सोच वाला नेतृत्व संस्थाओं को नई दिशा देगा, ऐसी उम्मीद व्यक्त की जा रही है। उनकी नियुक्ति पर संस्था के सभी संचालक मंडल, प्राचार्य, मुख्याध्यापक, शिक्षक एवं शिक्षकेत्तर कर्मचारियों ने उन्हें शुभकामनाएं दी हैं।

नवगण और विनायक शिक्षण संस्था के माध्यम से शहर एवं ग्रामीण विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराना संस्था का मूल उद्देश्य रहा है। इस परंपरा को कायम रखते हुए हम संस्था के विस्तार और शैक्षणिक गुणवत्ता को और बेहतर बनाने के लिए कटिबद्ध रहेंगे। नवीन और व्यावसायिक पाठ्यक्रम लाने, शैक्षणिक उत्कृष्टता बढ़ाने और सामाजिक कार्यों को निरंतरता से चलाने का हमारा संकल्प रहेगा।

डॉ. योगेश क्षीरसागर
नवनिर्वाचित सचिव, नवगण एवं आदर्श शिक्षण संस्था, बीड.

जिथिन रहमान ने बीड जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी का पदभार संभाला

बीड (प्रतिनिधि), १८ जून

महाराष्ट्र सरकार द्वारा किए गए प्रशासनिक फेरबदल के तहत २०२० बैच के आईएएस अधिकारी जिथिन रहमान ने बीड ज़िला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) के पद का कार्यभार संभाल लिया है।

इससे पहले वे वर्धा ज़िला परिषद में इसी पद पर कार्यरत थे। अपनी नई ज़िम्मेदारी संभालने के बाद रहमान ने कहा कि वे जिले में चल रही योजनाओं को प्रभावी ढंग से क्रियान्वित करने, पारदर्शिता बनाए रखने और ग्रामीण विकास को प्राथमिकता देने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

ज़िले के विकास कार्यों और जनता की समस्याओं के समाधान में तेजी लाने के उद्देश्य से यह नियुक्ति अहम मानी जा रही है।

जिलेभर में २१ जून को मनाया जाएगा अंतरराष्ट्रीय योग दिवस

नागरिकों से बड़ी संख्या में उपस्थित रहने की अपील-जिलाधिकारी विवेक जॉनसन

बीड, २० जून (जिला समाचार संवाददाता):

जिले में २१ जून २०२५ को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर विभिन्न स्थानों पर योग कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। मुख्य कार्यक्रम बीड के जालना रोड स्थित जिला क्रीड़ा संकुल में सुबह ६:३० बजे आयोजित किया गया है। जिलाधिकारी विवेक जॉनसन ने नागरिकों, अधिकारी-कर्मचारियों, जनप्रतिनिधियों, योग साधकों, विद्यार्थियों, युवकों-युवतियों एवं सभी नागरिकों से इस कार्यक्रम में सहभाग लेने की अपील की है।

जिलास्तर के साथ-साथ तालुकास्तर पर भी व्यापक स्तर पर योग दिवस मनाया जाएगा। कार्यक्रम के आयोजन में जिला प्रशासन के साथ पतंजलि योगपीठ, योगा एसोसिएशन, अन्य योग संस्थाएं तथा विविध सामाजिक संगठन भी सहभाग लेंगे।

संयुक्त राष्ट्र संघ द्वारा २१ जून को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस' घोषित किया गया है। योग विद्या भारत की प्राचीन परंपरा का अमूल्य योगदान है, जो शारीरिक और आत्मिक विकास में सहायक होती है। इस दिन को मनाने का उद्देश्य योग के महत्व को जन-जन तक पहुँचाना और सामूहिक योगाभ्यास के माध्यम से स्वास्थ्य के प्रति जनजागृति लाना है। इसी उद्देश्य से जिले में भी यह आयोजन प्रातः ६:३० बजे से ८:०० बजे तक किया जाएगा।

योग दिवस की पूर्व तैयारी को लेकर जिलाधिकारी विवेक जॉनसन की अध्यक्षता में एक बैठक आयोजित की गई। बैठक में अपर जिलाधिकारी हरीश धार्मिक, जिला क्रीड़ा अधिकारी अरविंद विद्यागर, माध्यमिक शिक्षणाधिकारी संजय पंचगल्ले, उपशिक्षणाधिकारी एन.जी. हजारे, ए.बी. खेडकर, जिला आयुष अधिकारी आनंद लिमकर, पतंजलि योगपीठ के जिला प्रमुख एडवोकेट श्रीराम लाखे, जिला योगा एसोसिएशन के सचिव विनायक वझे, क्रीड़ा आयोजक व शिवछत्रपति राज्य पुरस्कार प्राप्त प्रो. जे.पी. शेलके, डॉ. अविनाश बारगजे, योगगुरु विकास गवते, भागवत वाघ, मयुरेश गावस्कर, क्रीड़ा अधिकारी अंकित काळे, कालिदास होसूरकर, क्रीड़ा मार्गदर्शक सतीश राठौड़, अविनाश पाटिल, रेवननाथ शेलार, जितेंद्र आराक सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे।

तालुकास्तर पर योग दिवस आयोजन के लिए तहसीलदार को नोडल अधिकारी, गटविकास अधिकारी को सह-नोडल अधिकारी तथा गटशिक्षणाधिकारी को सहायक नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है।

बीड शहर और तालुका मुख्यालय को छोड़कर, अन्य ग्रामीण क्षेत्रों में योग दिवस के कार्यक्रम गांवों में, विद्यालयों, स्कूलों और महाविद्यालयों में आयोजित करने की अपील जिलाधिकारी विवेक जॉनसन ने की है।

कामखेड़ की जर्जर निज़ामकालीन स्कूल भवन को मिला नया जीवन, सामाजिक कार्यकर्ताओं की पहल से बनी नई इमारत

बीड, २० जून । विशेष संवाददाता

बीड तहसील के कामखेड़ गांव में स्थित निज़ामकालीन केंद्रीय प्राथमिक शाला की खस्ता हालत के चलते १३ जुलाई २०२२ को कक्षा ४ के छात्र कुंदन विजय ओव्हाळ के हाथ पर गिरती दीवार का कोना टूटकर गिरा, जिससे उसका हाथ फ्रैक्चर हो गया। इस दुर्घटना के बाद शुरू हुए संघर्ष और सामाजिक कार्यकर्ता डॉ. गणेश ढवळे व उनके साथियों के लगातार आंदोलन के बाद, अब स्कूल को एक नई, सुसज्ज और सुरक्षित इमारत प्राप्त हो गई है।

तीन साल के संघर्ष के बाद नई इमारत का निर्माण पूर्ण

सामाजिक दबाव और शिक्षा विभाग की कार्रवाई के फलस्वरूप तत्कालीन बीड जिला परिषद के प्राथमिक शिक्षा अधिकारी शशिकांत कुलकर्णी और समग्र शिक्षा अभियान के कार्यकारी अभियंता सुरेश बाहेगव्हाणकर ने शाला स्थल का निरीक्षण किया। उन्होंने तत्काल ३६ लाख ८० हजार रुपये की लागत से चार कमरों की नई इमारत के निर्माण को मंजूरी दी।

अब तीन साल बाद, निर्माण

कार्य पूर्ण होकर छात्र नवीन भवन में पढ़ाई कर रहे हैं, जिससे छात्रों की सुरक्षा और शिक्षण गुणवत्ता में बड़ा सुधार आया है।

बीड जिले की ज़मीनी हकीकत

बीड जिले में जिला परिषद के अधीन २,४७४ स्कूलें हैं, जिनमें से २,४१५ प्राथमिक और ५९ माध्यमिक विद्यालय हैं।

इनमें से ५९२ कक्षाएं ३४९ स्कूलों में खतरनाक स्थिति में हैं। बरसात और तूफानी मौसम में इन जर्जर कक्षाओं से बड़ा खतरा उत्पन्न हो सकता है। कई स्कूलों की दीवारें गली हुई हैं, छतें टूटी हुई हैं, दरवाजे-खिड़कियां जर्जर अवस्था में हैं।

डॉ. गणेश ढवळे ने कहा कि यदि समय रहते प्रशासन और जनप्रतिनिधि ध्यान नहीं देते, तो बच्चों की जान खतरे में पड़ सकती है। उन्होंने मांग की है कि खतरनाक स्कूल भवनों की तत्काल मरम्मत के लिए विशेष निधि उपलब्ध कराई जाए।

शिक्षकों और छात्रों की प्रतिक्रियाएं

शिक्षिका एस.एम. चव्हाण (केंद्रीय प्राथमिक शाला, कामखेड़) ने कहा:

सामाजिक कार्यकर्ताओं और ग्रामस्थों के प्रयासों से छात्रों को आज एक सुसज्ज इमारत में शिक्षा मिल रही है, यह हमारे लिए संतोष का विषय है।

विद्यार्थीनी आरजू शेख ने भावुक होकर कहा:

२०२२ की घटना के बाद हमें पुरानी शाला में बैठने से डर लगता था – लगता था कहीं स्कूल की दीवार हम पर गिर न जाए। लेकिन अब जब स्कूल नई बन गई है, तो हमें बहुत अच्छा लग रहा है।

निर्माण कार्य की सफलता पर अभियंता की टिप्पणी

सुरेश बाहेगव्हाणकर, कार्यकारी अभियंता (समग्र शिक्षा अभियान, जिला परिषद बीड) ने कहा:

जिन स्कूलों की इमारतें खस्ताहाल थीं, वहां शासन स्तर से निधि प्राप्त कर भवन निर्माण कार्य किए गए हैं। कामखेड़ की पुरानी इमारत गिराकर राजमाता जिजाऊ गुणवत्ता अभियान के तहत ३६.८० लाख की लागत से चार कमरों का नया भवन तैयार किया गया है। अब छात्र सुरक्षित और भयमुक्त वातावरण में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं।

कामखेड़ की यह घटना सिर्फ एक इमारत के पुनर्निर्माण की नहीं, बल्कि सामाजिक संघर्ष, पत्रकारिता और जागरूक नागरिकों की सामूहिक शक्ति की मिसाल है। यह उदाहरण दर्शाता है कि अगर समाज संगठित होकर बच्चों के अधिकारों के लिए खड़ा हो – तो बदलाव निश्चित है।

राहुल गांधी का भाजपा-आरएसएस पर तीखा हमला: वे नहीं चाहते कि गरीब बच्चा अंग्रेज़ी सीखे

नई दिल्ली, २० जून । विशेष रिपोर्ट

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के उस बयान पर जोरदार पलटवार किया है, जिसमें उन्होंने भारतीय भाषाओं को बढ़ावा देने की बात कही थी।

राहुल गांधी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म द (पूर्व ट्विटर) के माध्यम से कहा कि BJPRSS नहीं चाहते कि गरीब बच्चा अंग्रेज़ी सीखे, और यह सोच समाज में असमानता को बनाए रखने का प्रयास है।

राहुल गांधी का बयान:

राहुल गांधी ने लिखा:

अंग्रेज़ी बाँध नहीं, पुल है। अंग्रेज़ी शर्म नहीं, शक्ति है। अंग्रेज़ी ज़ंजीर नहीं – ज़ंजीरें तोड़ने का औज़ार है।

इगझठडड नहीं चाहते कि भारत का गरीब बच्चा अंग्रेज़ी सीखे – क्योंकि वो नहीं चाहते कि आप सवाल पूछें, आगे बढ़ें, बराबरी करें।

उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा कि अंग्रेज़ी एक शक्ति है, जो बच्चों को वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धा करने में सक्षम बनाती है। अंग्रेज़ी न जानने की स्थिति में गरीब तबके के बच्चों को पीछे धकेला जाता है।

प्र अंग्रेज़ी को लेकर राहुल का दृष्टिकोण:

अंग्रेज़ी को उन्होंने 'शक्ति' और 'आजादी का औजार' बताया।

कहा कि BJPRSS गरीबों को अंग्रेज़ी से वंचित रखकर उन्हें बराबरी के हक से दूर रखना चाहते हैं।

हर भारतीय भाषा हमारी आत्मा, संस्कृति और ज्ञान की प्रतिनिधि है, उन्होंने जोड़ा, लेकिन अंग्रेज़ी एक ऐसा पुल है, जो बच्चों को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अवसरों से जोड़ता है।

वीडियो संदेश:

राहुल गांधी द्वारा साझा किए गए वीडियो में उन्होंने बताया कि अंग्रेज़ी के माध्यम से भारत का बच्चा अमेरिका, जापान या किसी भी देश में आत्मविश्वास से खड़ा हो सकता है।

उनका तर्क था कि यदि संपन्न परिवारों के बच्चे अंग्रेज़ी में शिक्षा पाते हैं, तो गरीब बच्चों को यह हक़ क्यों नहीं मिलना चाहिए?

राजनीतिक संदर्भ:

यह बयान उस समय आया है जब अमित शाह ने हाल ही में भारतीय भाषाओं को शिक्षा का माध्यम बनाए जाने पर जोर दिया था। हालांकि उनका उद्देश्य भारतीय भाषाओं के संरक्षण का था, पर राहुल गांधी ने इसे गरीबों की शिक्षा और अवसरों पर अंकुश लगाने वाला कदम बताया।

राहुल गांधी ने अंग्रेज़ी को एक सामाजिक समानता का साधन बताया और BJPRSS पर आरोप लगाया कि वे जानबूझकर गरीब तबके को इससे दूर रखना चाहते हैं। उनका यह बयान शिक्षा की राजनीति और भाषा नीति पर बहस को फिर से केंद्र में ले आया है।

दैनिक भारत की तामीर अखबार के मालिक, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक काजी मखदूम शफीउद्दीन ने आरएम प्रिंटरर्स, बार्शी रोड, बीड 431122 महाराष्ट्र में मुद्रित कर के दैनिक तामीर, नगर परिषद परिसर, बशीर गंज, बीड, महाराष्ट्र कार्यालय से प्रकाशित किया है। मोबाइल : 9270574444 ईमेल : hinditameer@gmail.com वेबसाइट : www.dailytameer.com
daily Bharat ki tameer newspaper owner printer publisher editor Quazi makhdoom shafiuddin has printed at RM printers barshi road beed 431122 Maharashtra at published at office daily tameer nagar parishad complex Bashir gunj beed Maharashtra. Mobile : 9270574444 Email : hinditameer@gmail.com Website : www.dailytameer.com